अति गोपनीय: (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल मुख्य परीक्षा, 2026

मुख्य परीक्षा

अंक योजना – भूगोल (विषय कोड - 029)

(पेपर कोड - 64/1/1)

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने **2026** की परीक्षा **से** कक्षा **12** की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए **ऑन स्क्रीन मार्किंग (OSM) शुरू करने का फैसला किया है**।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
3	**मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
4	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य है। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या अभिनव हैं, उनका मूल्यांकन उनकी शुद्धता के लिए किया जा सकता है और इसके लिए उन्हें निर्धारित अंक दिए जाएंगे। 12 कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता की गणना की गई हो, अंक दिए जाने चाहिए।
5	अकं - योजना में उत्तरो के लिए केवल सुझाए गए मूल्य पर बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक तदानुसार दिये जाने चाहिए ।
6	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के

	अनुसार किया गया है । यदि कोई भिन्नता है तो विचार विमर्श और चर्चा के बाद शून्य होना चाहिए । मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ।
7	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार (√) का चिन्ह नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।
8	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए (OSM Portal) दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ OSM सिस्टम द्वारा किया जाएगा ।
9	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो (OSM Portal) पर बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन भी किया जा सकता है।
10	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है , तो अधिक अंक वाले प्रश्न का उत्तर के अंक बरकरार रखा जाना चाहिए और अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए ।
11	त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
12	अंकों का एक पूर्ण पैमाने _____70_____ (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 0-70 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।.
14	सुनिश्चित करें कि आप पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियां नहीं करते हैं: ● उत्तर सही के (√) रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति में होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) ● उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।.
17	बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना

मुख्य परीक्षा,2026

भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड-029)

(पेपर कोड - 64/ 1/ 1)

सेट-1

अधिकतम अंक-70

प्र.सं.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	पाठ्य पुस्तक में पृ.सं.	अंक वितरण
	खण्ड क प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न है।		17x1=17
1.	(B) केवल I, II और IV सही हैं।	Pg-13 TB-I	1
2	(D) a-iii, b-iv, c-i, d-ii	Pg-17 TB-I	1
3	(C) दक्षिणी पूर्वी एशिया	Pg-22 TB-I	1
4	(C) माराकाइबो, एस्सखीरा, त्रिपोली	Pg-76 TB-I	1
5	(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।	Pg-74 TB-I	1
6	(B) केवल I, II और IV सही हैं।	Pg-44 TB-I	1
7	(B) स्वर्ण कॉलर श्रमिक -वरिष्ठ व्यावसायिक कार्यपालक	Pg-50 TB-I	1
8	(A) पर्यटक विशेष रूप से सस्ती चिकित्सा सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए पर्यटन करते हैं।	Pg-50 TB-I	1
9	(C) तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक	Pg-10 TB-II	1
10	(A) प्रावस्था I	Pg-5,7 TB-II	1
11	(D) दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई	Pg-76 TB-II	1
12	(A) कोलकाता	Pg-78 TB-II	1

13	(B) अवनलिका (गली) अपरदन	Pg-101 TB-II	1
14	(D) डेसिबल	Pg-96 TB-II	1

अनुच्छेद को ध्यान पूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्न संख्या 15 से 17 के उत्तर दीजिए ।

सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश

क्र.सं.	देश	जनसंख्या	विश्व का %
1	भारत	1,425,775,850	17.4
2	चीन	1,409,670,000	17.2
3	संयुक्त राज्य अमेरिका	337,975,234	4.13
4	इंडोनेशिया	278,696,200	3.41
5	पाकिस्तान	229,488,994	2.80
6	नाइजीरिया	216,746,934	2.65
7	ब्राजील	219,277,799	2.68
8	बंग्लादेश	168,220,000	2.06
9	मेक्सिको	128,271,248	1.57

15	कितने सूचीबद्ध देश एशिया महाद्वीप के अंतर्गत आते हैं ? (C) 5		1
16	निम्नलिखित में से महाद्वीपों का कौन-सा समूह तालिका में प्रतिनिधित्व नहीं करता है? सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (D) ऑस्ट्रेलिया और यूरोप		1
17	चीन और ब्राजील दोनों को मिलाकर विश्व जनसंख्या का कितना प्रतिशत हिस्सा है ? (C) 19.88		1
	खण्ड ख **प्रश्न संख्या 18 एवं 19 स्रोत-आधारित प्रश्न हैं।**		2x3=6
18	'विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि' के मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।		

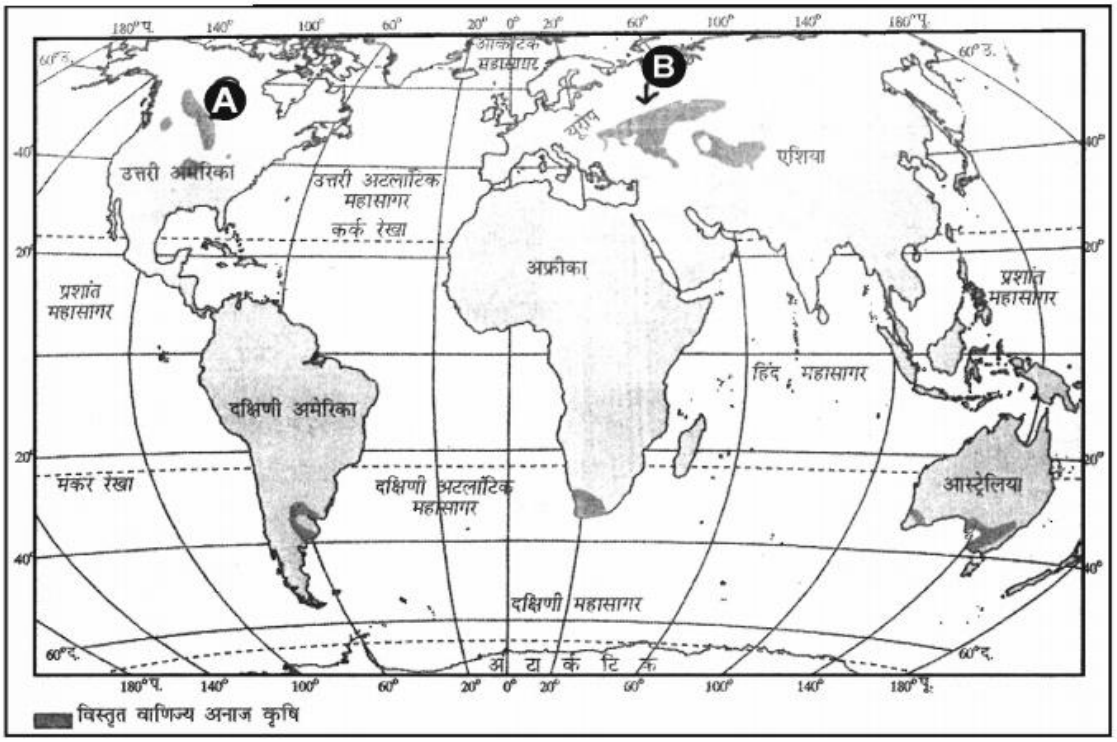

(18.1) (A) के रूप में अंकित क्षेत्र का भौगोलिक नाम लिखिए ।

कनाडा और अमेरिका के प्रेयरीज/ उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज 1

(18.2) (A) क्षेत्र में उगाई जाने बाली किन्हीं दो प्रमुख फसलों के नाम लिखिए । 1

गेहूँ /मक्का/ जौ / राई/ जई

(कोई दो) **½+½=1**

(18.3) (B) के रूप में अंकित क्षेत्र के कृषि महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 1

i) इस क्षेत्र में विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की जाती है।

ii) यह बड़े आकार के खेतों पर की जाती है।

iii) जुताई से लेकर कटाई तक खेती की पूरी प्रक्रिया मशीनीकृत होती है।

iv) प्रति एकड़ उत्पादन कम होता है, लेकिन प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है।

v) अन्य संबंधित बिंदु

Pg-27,28

TB-I

(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है) 1

<u>दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 18 के स्थान पर</u>

विश्व में 'विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि' की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिएi 1

	i) मध्य अक्षांशों के आंतरिक अर्ध शुष्क प्रदेशों में इस प्रकार की कृषि की जाती है। ii) इस कृषि में खेतों का आकार बहुत बड़ा होता है। iii) खेत जोतने से फसल काटने तक सभी कार्य यंत्रों द्वारा संपन्न किए जाते हैं। iv) इसमें प्रति एकड़ उत्पादन कम होता है परंतु प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है। v) मुख्य फसल गेहूँ ,मक्का, जौ, राई एवं जई बोई जाती है। vi) इस प्रकार की कृषि का क्षेत्र यूरेशिया के स्टेपीज, उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज, अर्जेंटाइना के पंपाज, दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस, आस्ट्रेलिया के डाउंस एवं न्यूजीलैंड के केंटरबरी के मैदान में है। vii) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है)**	**Pg-27,28** **TB-I**	**3x1=3**
19	**दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।** **जल प्रदूषण** **उत्पादन प्रक्रिया में, उद्योग अनेक अवांछित उत्पाद पैदा करते हैं जिनमें औद्योगिक कचरा, प्रदूषित अपशिष्ट जल, जहरीली गैसें, रासायनिक अवशेष, अनेक भारी धातुएँ, धूल, धुआँ आदि शामिल होता है। अधिकतर औद्योगिक कचरे को बहते जल में अथवा झीलों आदि में विसर्जित कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप विषाक्त रासायनिक तत्त्व जलाशयों, नदियों तथा अन्य जल भंडारों में पहुँच जाते हैं जो इन जलों में रहने वाली जैव प्रणाली को नष्ट करते हैं। सर्वाधिक जल प्रदूषक उद्योग चमड़ा, लुगदी व कागज, वस्त्र तथा रसायन हैं।** **(19.1) भारत में किस प्रकार जल प्रदूषण में उद्योगों का प्रमुख योगदान है? व्याख्या कीजिए।** औद्योगिक कचरा,जहरीली गैसें,रसायन के बचे हुए हिस्से,भारी मेटल,धूल-धुआ आदि जब पानी में मिल जाते हैं तो वो इसे दूषित कर देते हैं। 1 **(19.2) जल प्रदूषण को कम करने का उपाय सुझाइए ।** (i) नदियों, और झीलों में औद्योगिक अपशिष्ट डालने से रोके		**1**

	ताकि उनकी जैव प्रणाली सुरक्षित रहे। (ii) खेती का कचरा जैसे उर्वरक और पेस्टीसाइड को ताजे पानी में मिलने से रोकना चाहिए। (iii) अच्छे पानी की गुणवत्ता की महत्ता और पानी के प्रदूषण के प्रभावो के बारे में जण-जागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। (iv) उद्योगों और घरों को उपचारित जल के पुनः उपयोग के लिए प्रोत्साहित करें। v) अन्य संबंधित बिंदु **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है) 1**		**1**
	(19.3) भारत की दो अत्यधिक प्रदूषित नदियों का उल्लेख कीजिए। गंगा/यमुना/साबरमती/गोमती/काली/अडयार/कूअम/वैगई/मूसी। **(कोई दो)** 1/2+1/2=1	**Pg-46,47, 94,95** **TB-II**	**1**
	खण्ड ग **प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उमरीय प्रश्न है।**		**4x3=12**
20	**'अस्थिर पृथ्वी' और 'क्रियाशील मानव' के बीच संबंधों की परख कीजिए ।** i) पृथ्वी स्थिर नहीं है, इसकी प्रकर्ति गतिशील है। (ii) मनुष्य भी स्थिर नहीं है बल्कि पृथ्वी पर बहुत गतिशील है। iii) संबंध बदलते रहते हैं। iv) मनुष्य पृथ्वी पर खेती करता है और घरों, सड़कों आदि का निर्माण करता हैं। v) मनुष्य भौतिक पर्यावरण द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों का उपयोग करता है, इसने मानव जीवन को भी प्रभावित किया है। vi) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की परख अपेक्षित है)**	**Pg-2** **TB-I**	**3x1=3**

21	**'मानव विकास' के स्तंभ के रूप में 'सतत पोषणीयता' की परख कीजिए।** i) निर्वहन का तात्पर्य अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता है। ii) प्रत्येक पीढ़ी को सतत पोषणनीय मानव विकास के समान अवसर होने चाहिए। iii) भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी पर्यावरणीय,वित्तीय और मानव संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए। iv) इनमें से किसी भी संसाधन के दुरूपयोग से भावी पीढ़ी के लिए कम अवसर पैदा होंगे। v) प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ी के लिए विकल्पों और अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। vi) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की परख अपेक्षित है)**	**Pg-16** **TB-I**	**3x1=3**
22	**(a) भारत में नगरीय बस्तियों की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** i) नगरीय बस्तियां आमतौर पर सघन और आकार में बड़ी होती है। ii) नगरीय बस्तियां द्वितीयक और तृतीयक गतिविधियों में विशेषज्ञमय होती हैं। iii) नगरीय केंद्र आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं वे न केवल शहरों में रहने वालों को बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी सामान और सेवाएँ प्रदान करते हैं। iv) शहरी केंद्रों में परिवहन और संचार का बेहतर नेटवर्क है। v) शहरों में जीवन का तरीका जटिल और तेज़ होता है और सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं। vi) नगर सीधे तौर पर और प्रत्यक्ष रूप से गाँवों से और एक दूसरे से भी जुड़े हुए हैं। vii) अन्य कोई संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg-15,17** **TB-II**	**3x1=3**

	अथवा **(b) भारत में नगरों के विकास की व्याख्या कीजिए।** i) भारत में प्रागैतिहासिक काल से ही हड़प्पा और मोहनजोद्रडो जैसे नगरों का अभ्युदय हुआ है। ii) इसके बाद के समय में भारत,यूरोपियन लोगों के आने तक अनेक उतार-चढाव के साथ नगरों के विकास का साक्षी बना है। iii) नगरों के विकास के आधार पर भारतीय नगरों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया है। (a) प्राचीन नगर-ये वो नगर हैं जिनका इतिहास 2000 वर्षो से भी अधिक पुराना है जो धार्मिक और सांस्कृतिक नगरों के तौर पर विकसित हुए हैं,जैसे वाराणासी, प्रयाग, पाटलिपुत्र, मदुरै आदि हैं। (b) मध्यकालीन नगर- इन नगरों का इतिहास मध्यकाल से जुड़ा है। इनमें से अधिकांश का विकास रजवाड़ों और राज्यों के मुख्यालयों के रूप में हुआ है-जैसे दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ आदि हैं। (c) आधुनिक नगर -ब्रिटिश और दूसरे यूरोपियन लोगों ने भारत में सूरत, गोवा, बॉम्बे, मद्रास, कलकत्ता आदि जैसे अनेक आधुनिक नगरों का विकास किया। iv) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अनेक नगर प्रशासनिक केन्द्रों के रूप में विकसित हुए हैं जैसे- दिल्ली, चंडीगढ, भुवनेश्वर, गांधीनगर, दिसपुर आदि। v) दुर्गापुर, भिलाई, जैसे औद्योगिक नगर विकसित किए गए। vi) दिल्ली के चारों ओर कुछ पुराने नगर अनुषंगी नगरों के रूप में विकसित हुए, जैसे गाज़ियाबाद, रोहतक और गुरुग्राम vii) अन्य कोई संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg-17,18** **TB-II**	**3x1=3**

23	**नीचे दी गई तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।**		

भारत में श्रम-शक्ति का सेक्टर-बार संघटन, 2011

संवर्ग	जनसंख्या			
	व्यक्ति	कुल श्रमिकों का %	पुरुष	स्त्री
प्राथमिक	26,30,22,473	54.6	16,54,47,075	9,75,75,398
द्वितीयक	1,83,36,307	3.8	97,75,635	85,60,672
तृतीयक	20,03,84,531	41.6	15,66,43,220	4,37,41,311

(23.1) महिला श्रमिकों का प्राथमिक और तृतीयक संवर्ग में अंतर अधिक क्यों है ?

i) ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश पुरुष नगरीय श्रमिक क्षेत्रों में चले जाते हैं, इसीलिए ज्यादातर महिला श्रमिक प्राथमिक गतिविधियों में लगी हुई हैं।

ii) तृतीयक क्रियाकलापों में महिला श्रमिकों की भगीदारी कम है और यह एक नई बात है।

iii) अन्य संबंधित बिंदु

(कोई एक) — 1

(23.2) पुरुष श्रमिकों के प्राथमिक और तृतीयक क्षेत्रक में कम अंतर होने के कारण की व्याख्या कीजिए।

i) ऐसा भारत में श्रमिक प्रतिरूप में बदलाव के कारण से है।

ii) पुरुष श्रमिक अभी भी प्राथमिक सेक्टर में लगे हुए हैं और उनमें से कई नौकरियों के बढ़ते अवसरों के साथ तृतीयक सेक्टर में भी जा रहे हैं। इसीलिए दोनों सेक्टरों में पुरुष श्रमिकों की संख्या अधिक है। — 1

iii) अन्य संबंधित बिंदु

(कोई एक)

(23.3) भारत की श्रम शक्ति में द्वितीयक क्षेत्रक का योगदान क्यों कम है ?

i) भारत के द्वितीयक क्षेत्र में श्रमिकों का योगदान कम है इसका कारण औद्योगिक वृद्धि का कम होना

ii) कौशल अन्तराल और सेवाओं की ओर बदलाव है। — **Pg 12,13** — 1

iii) अन्य संबंधित बिंदु

(कोई एक) — **TB-II**

	खण्ड घ **प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है**		**5x5=25**
24	**"उद्योगों की स्थापना उस स्थान पर की जानी चाहिए जहाँ उत्पादन लागत कम आए।" उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन की परख कीजिए।** i) बाज़ार तक अभिगम्यता ii) कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता iii) श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता iv) शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता v) परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता vi) सरकारी नीति vii) समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता उद्योगों के मध्य संबंध viii) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की परख अपेक्षित है)**	**Pg. 36,37** **TB-I**	**5x1=5**
25	**(a) "रेलमार्ग लंबी दूरी तक स्थूल बस्तुओं और बात्रियों के लिए स्थल परिवहन का एक प्रकार है।" इस कथन के संदर्भ में विश्व में रेलवे के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।** i) लंबी दूरी,भारी माल तथा यात्रियों के लिए रेलवे भूतल परिवहन का महत्वपूर्ण साधन है। विश्व में 13 लाख किलोमीटर लंबे रेल मार्ग है। ii) दैनिक आवागमन की रेलें ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका,जापान और भारत में अत्यधिक लोकप्रिय हैं। iii) उत्तरी अमेरिका में सर्वाधिक विस्तृत रेलमार्ग तंत्र है। iv) यूरोप में लगभग 4,40,000 किलोमीटर लम्बा सबसे घना रेल नेटवर्क है जिसमें दोहरे अथवा एकाधिक ट्रैक (मार्ग) है। v) रूस में, देश के कुल परिवहन का 90 % रेलवे का होता है। vi) एशिया में रेल नेटवर्क जापान, चीन, और भारत के घने सघन बसे हुए क्षेत्रों में सघन पाया जाता है। vii) अफ्रीका महाद्वीप में 40,000 किलोमीटर रेलमार्ग हैं, जिसका लगभग आधा भाग दक्षिण अफ्रीका में है। viii) ऑस्ट्रेलिया, रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका में अन्तर-महाद्वीपीय रेल मार्ग हैं। ix) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg. 56,57** **TB-I**	**5x1=5**

	अथवा **(b) "सड़क परिवहन छोटी दूरियों के लिए रेलवे की अपेक्षा आर्थिक दृष्टि से लाभदायक है।" इस कथन के संदर्भ में विश्व में सड़क परिवहन के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।** **सड़कें कम दूरी के लिए लाभप्रद हैं** i) वे घर-घर सेवाएँ प्रदान करती हैं ii) वे रेलवे,वायु मार्ग और जलमार्ग के लिए सहायक है। iii) विकसित एवं विकाशशील देशों में सड़कों की गुणवत्ता में पर्याप्त अन्तर पाया जाता है। iv) उत्तरी अमेरिका में अच्छी संपर्कता के साथ सड़क घनत्व बहुत अधिक है। v) यूरोप में महामार्ग नेटवर्क अच्छी तरह से विकसित है। vi) रूस में यूराल के पश्चिम में औद्योगिक क्षेत्रों में एक घना महामार्ग नेटवर्क विकसित है। vii) चीन में सभी बड़े नगर सड़कों से जुड़े हुए हैं। viii) भारत में बड़े नगरों को जोड़ने वाले अनेक महामार्ग हैं। ix) सड़कें किसी देश के व्यापार और और वाणिज्य और पर्यटन को बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। x) उत्तरी अमेरिका में कुल मोटर वाहन चलाने योग्य सड़कों की लंबाई का 33 प्रतिशत भाग है। xi) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है)**	**Pg. 55,56** **TB-I**	**5x1=5**
26	**(a) "सामान्यतः किसी क्षेत्र में भू-उपयोग वहाँ की आर्थिक क्रियाओं की प्रवृत्ति पर निर्भर है।" उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** **आर्थिक गतिविधियों की प्रकृति किसी क्षेत्र में भू -उपयोग के प्रतिरूप पर निश्चित रूप से प्रभाव डालती है।** i) समय के साथ आर्थिक गतिविधियों का स्वरुप बदलता है लेकिन भूमि एक स्थिर संसाधन बनी रहती है। ii) अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ती जनसंख्या,बदलता आय स्तर तथा समय के साथ बढ़ता है परिणामस्वरुप भूमि पर दबाव बढ़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है। iii) समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में भी बदलाव होता		

	है। परिणामस्वरूप द्वितीयक व तृतीयक सेक्टरों में प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि होती है तथा भूमि का कृषि से गैर-कृषि उपयोगों में स्थानांतरण होता है। iv) जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ती है भूमि की मांग बढ़ती है,वन भूमि दूसरे उपयोगों में स्थानांतरित होती है। v) जनसंख्या वृद्धि से अधिक खाद्यान्न की मांग बढ़ती है और खेती की भूमि पर दबाव बढ़ता है इसीलिए खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए वर्तमान परती भूमि के अलावा खेती योग्य बंजर भूमि को भी कृषि भूमि में शामिल किया जाता है। vi) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की पुष्टि अपेक्षित है।)** **अथवा** **(b) "भारतीय कृषि की समस्याओं में भौतिक बाधाएँ और संस्थागत अवरोध शामिल हैं।" उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** i) अनियमित मॉनसून पर निर्भरता ii) निम्न उत्पादकता iii) वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता iv) भूमि सुधारों की कमी v) छोटे खेत तथा विखंडित जोत vi) वाणिज्यीकरण का आभाव vii) व्यापक अल्प रोज़गारी viii) कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण ix) अन्य कोई संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं की पुष्टि अपेक्षित है)**	**Pg. 22,23 TB-II** **Pg. 37,38 TB-II**	**5x1=5** **5x1=5**
27	**(a) ऊर्जा के प्रमुख स्रोत के रूप में पेट्रोलियम के महत्व को स्पष्ट कीजिए और भारत में इसके वितरण का वर्णन कीजिए ।** **ऊर्जा के प्रमुख स्रोत के रूप में पेट्रोलियम का महत्व:** i) यह मोटर वाहनों, रेलवे तथा वायुयानों के अंतर -दहन ईंधन के लिए उर्जा का एक अनिवार्य स्रोत है। ii) इसके अनेक सह-उत्पाद पेट्रो-रसायन उद्योगों जैसे कि उर्वरक, कृत्रिम रबर, कृत्रिम रेशे, दवाईयां, वैसलीन, स्नेहको, मोम, साबुन तथा अन्य सौंदर्य सामग्री में प्रक्रमित किए जाते हैं।		

	iii) अपनी दुर्लभता और विविध उपयोगों के लिए पेट्रोलियम को तरल सोना कहा जाता है। iv) 1956 में सरकार ने तेल और प्राकृतिक गैस का व्यवस्थित ढंग से तेल अन्वेषण और उत्पादन के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना की है। v) अन्य कोई संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित है) 3x1=3** **भारत में पेट्रोलियम का वितरण:** भारत में महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र: i) असम में डिगबोई,नहारकटिया तथा मोरान ii) गुजरात में अंकलेश्वर ,कालोल ,मेहसाणा, नवागाम, कोसांवा तथा लुनेज हैं। iii) मुंबई हाई (अरब सागर में अपतटीय क्षेत्र) iv) पूर्वी तट पर कृष्णा-गोदावरी तथा कावेरी के बेसिनों में अन्वेषणात्मक कूपों में पाया गया है। v) अन्य कोई संबंधित बिंदु **(कोई दो बिंदु) 2x1=2** **अथवा** **(b) औद्योगिक कच्चे माल के रूप में लौह अयस्क के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए और भारत में इसके वितरण का वर्णन कीजिए।** **औद्योगिक कच्चे माल के रूप में लौह -अयस्क का महत्व :** i) यह धातु आधारित उद्योगों के विकास के लिए एक सुदृढ़ आकार प्रदान करता हैं। ii) भारत में लौह- अयस्क के प्रचुर संसाधन हैं। iii) यहाँ एशिया के विशालतम लौह- अयस्क आरक्षित हैं। iv) हमारे देश में लौह- अयस्क के दो प्रमुख प्रकार हेमेटाइट तथा मेगनेटाइट पाये जाते हैं। v) इसकी सर्वोत्तम गुणवत्ता के कारण इसकी विश्व भर में भारी मांग है। vi) लौह- अयस्क की खदानें देश के उत्तर-पूर्वी पठार प्रदेश में कोयला क्षेत्रों के निकट स्थित हैं जो इसके लिए लाभप्रद है। vii) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की स्पष्टीकरण अपेक्षित है). 3x1=3**	**Pg. 59** **TB-II**	**3+2=5**

	भारत में लौह -अयस्क का वितरण: i) ओडिशा अग्रणी उत्पादक राज्य है। ii) ओडिशा में लौह -अयस्क सुन्दरगढ ,मयूरभंज, झार स्थित पहाड़ी ऋंखलाओं में पाया जाता है। iii) झारखंड में महत्वपूर्ण क्षेत्र पूर्वी तथा पश्चिमी सिंहभूम जिलों में स्थित हैं। iv) छत्तीसगढ़ में दुर्ग, दांतेवाड़ा तथा बैलाडीला प्रमुख क्षेत्र हैं। v) कर्नाटक के प्रमुख क्षेत्र बेल्लारी, चिकमगलुरू, शिवमोगा, चित्रदुर्ग तथा तुमकुरू जिलें हैं। vi) महाराष्ट्र में चंद्रपुर ,भंडारा और रत्नागिरी जिले प्रमुख हैं। vii) तेलंगाना के करीमनगर और वारंगल प्रमुख क्षेत्र हैं। viii) आंध्र प्रदेश के कुरूनूल, कडप्पा तथा अनंतपुर प्रमुख क्षेत्र हैं। ix) तमिलनाडु राज्य के सेलम तथा नीलगिरी ज़िले प्रमुख क्षेत्र हैं। x) गोवा भी लौह -अयस्क के महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में उभरा है। xi) अन्य कोई संबंधित बिंदु. **(कोई दो बिंदु)** **2x1=2**	**Pg. 55** **TB-II**	**3+2=5**
28	**(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास में भारतीय समुद्री पत्तनों के महत्व का विश्लेषण कीजिए।** i) भारत में 12 प्रमुख और 200 छोटे या मझौले पत्तन हैं। ii) ये समुद्री पत्तन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार हैं। iii) भारतीय पत्तन विशाल मात्रा में घरेलू के साथ-साथ विदेशी व्यापार का निपटान कर रहे हैं। iv) भारत में भार के अनुसार लगभग 95 प्रतिशत तथा मूल्य के अनुसार 70 प्रतिशत विदेशी व्यापार महासागरीय मार्गों द्वारा होता है। v) अधिकतर पत्तन आधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित हैं। vi) भारतीय पत्तनों की नौभार निपटान की क्षमता 1951 में 20 मिलियन टन से 2016 में 837 मिलियन टन से अधिक बढ़ गई थी।	**Pg. 80,87, 89** **TB-II**	**5x1=5**

	vii) अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है)** **अथवा** **(b) भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बदलते प्रारूप का विश्लेषण कीजिए।** **भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 1950-51 से 2020-21 तक कई गुना बढ़ गया है** i) काजू जैसे पारंपरिक कृषि उत्पादों का निर्यात घटा है, जबकि पुष्पोत्पादन (फ्लोरीकल्चर) उत्पादों, ताजे फलों, समुद्री उत्पादों और चीनी आदि का निर्यात बढ़ा है। ii) 1950 और 1960 के दशक में खाद्यान्न, पूँजीगत वस्तुएँ, मशीनें और उपकरण आयात किए जाते थे। 1970 के बाद हरित क्रांति के परिणामस्वरूप खाद्यान्न के आयात की जगह उर्वरकों का आयात बढ़ गया और कच्चे पेट्रोलियम का आयात भी बढ़ा, जिसके कारण पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वृद्धि हुई। iii) निर्मित वस्तुओं और इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। iv) मशीनें और उपकरण, विशेष इस्पात, खाद्य तेल और रसायन हमारे आयात टोकरे का बड़ा हिस्सा बनाते हैं। v) पूँजीगत वस्तुओं के आयात में कमी आई है। vi) अयस्क और खनिजों का निर्यात वर्षों से लगभग स्थिर बना हुआ है। vii) मोती, कीमती और अर्द्ध-कीमती पत्थर, सोना और चाँदी हमारे निर्यात और आयात दोनों का हिस्सा बन गए हैं। हम इन्हें आयात करते हैं, इन्हें रत्न और आभूषणों में बदलकर मूल्य संवर्धन करते हैं और फिर निर्यात करते हैं। viii)अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पाँच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है)**	**Pg. 84,85, 86** **TB-II**	**5x1=5**

संलग्न मानचित्र देखें

Q.No. 29 WORLD : Outline **Set No. 64/1/1 , 64/1/2 , 64/1/3**

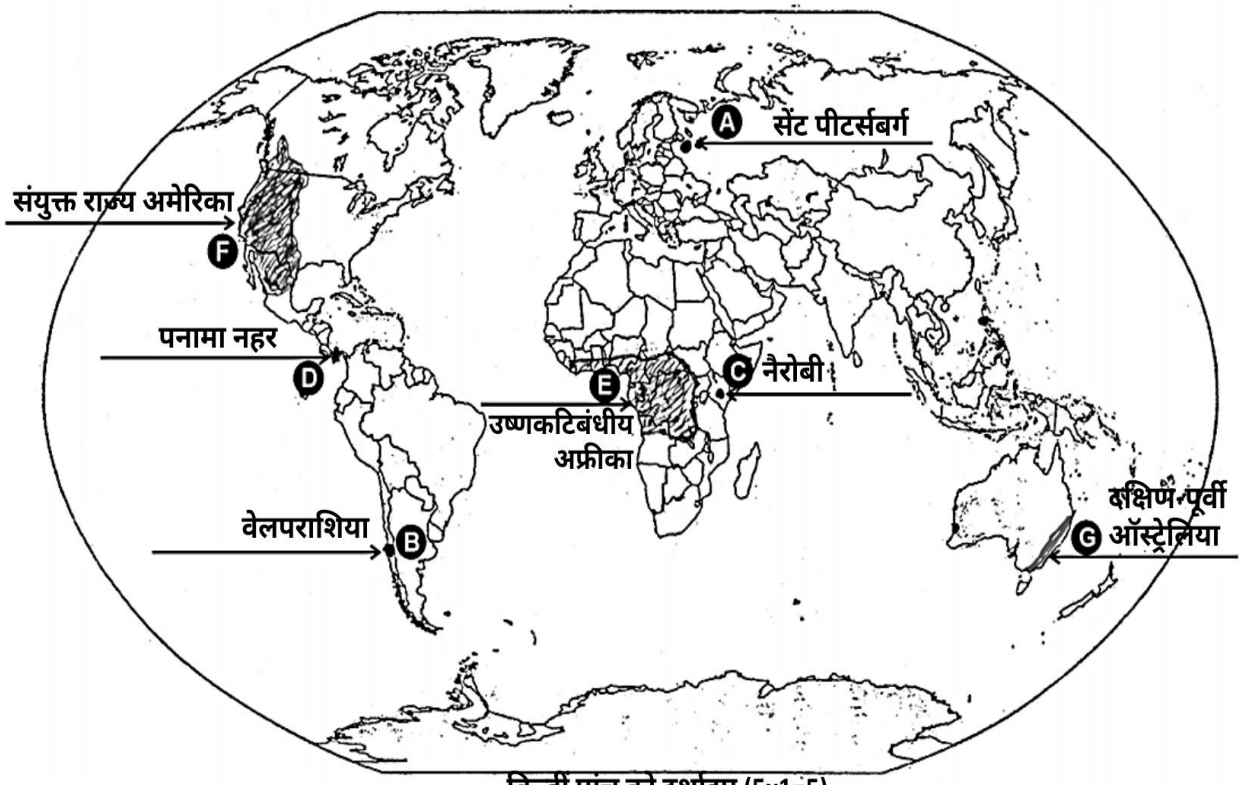

किन्हीं पांच को दर्शाइए (5x1=5)

29.	**नोट** : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **29** के स्थान पर है। (29.1) सेंट पीटर्सबर्ग (29.2) वेलपराशिया (29.3) नैरोबी (29.4) पनामा नहर (29.5) उष्णकटिबंधीय अफ्रीका (29.6) पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका / संयुक्त राज्य अमेरिका (29.7) कनाडा	**5x1=5**

संलग्न मानचित्र देखें

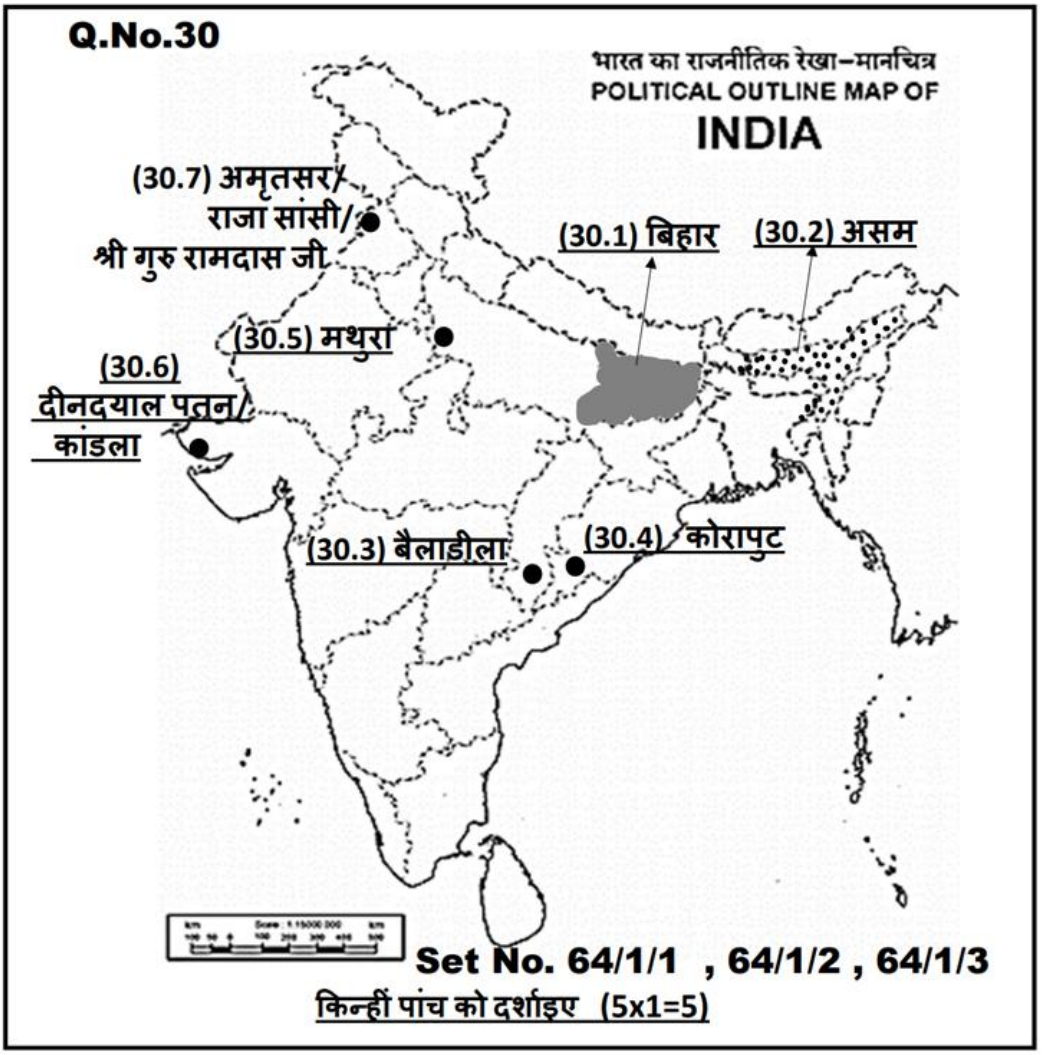

30.	**नोट** : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर है। **किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** (30.1) बिहार (30.2) असम (30.3) बैलाडीला /दुर्ग/ दंतेवाड़ा/ राजहरा **(कोई एक)** (30.4) कालाहांडी/ संबलपुर/ बोलनगीर/ कोरापुट **(कोई एक)** (30.5) मथुरा (30.6) दीनदयाल पतन/ कांडला पतन (30.7) अमृतसर/ राजासांसी / गुरु रामदास जी	**5x1=5**